भारतीय राष्ट्रवाद : चुनौतियाँ एवं समाधान

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार

दिनांक 10–11 नवम्बर, 2019

आयोजक :

समाजशास्त्र विभाग एवं छात्र कल्याण संकाय,

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

वाराणसी–221002

सेवा में,

.....

.....

.....

राष्ट्र–निर्माण विषयक :

राष्ट्र–निर्माण राष्ट्रीय एकीकरण का दूसरा नाम है। राष्ट्र–निर्माण राजनैतिक पद्धति के विकास से सम्बद्ध एक विशेष प्रकार की धारणा है जो लोगों के दृढ़ निष्ठा पर आधारित होती है। राष्ट्र निर्माण–प्रक्रिया में आधुनिकीकरण अपने समस्त विशेषणों के साथ प्रभावोत्पादक एवं सारयुक्त योगदान करता है। राष्ट्र–निर्माण, सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक अभियंत्रण–कौशल का सूचक है। यह संरचना को अधिक प्रकार्यात्मक एवं संघटित बनाने का कार्यक्रम होता है। राष्ट्रीयता, राष्ट्र–निर्माण की पूर्वगामिनी होती है। राष्ट्रीयता में सम्बन्ध होने की भावना निहित होती है। यह अपनी पहचान एवं प्रभाव को निर्मित करने हेतु साधनों को एकीकृत करती हैं। जब उक्त भावना किसी निर्माणात्मक कार्य को जन्म देती है तो वह राष्ट्र–निर्माण की प्रक्रिया बन जाती है। यह वह प्रक्रिया है जो राष्ट्रवादी भावनाओं कों सम्प्रेषित करती है।

राष्ट्र–निर्माण एकीकृत संघटन के निर्माण की ओर उन्मुख एक प्रक्रिया है। समग्रता का संवहन करने वाले आवश्यक उपकरण भी इस प्रक्रिया के अंग होते हैं। पारस्परिक रचना के अन्तर्गत कार्यकारी व्यवस्था निर्मित करने के उद्देश्य से कुछ नवीन तत्त्व सम्मिलित भी किये जाते हैं साथ ही इस प्रक्रिया में से कुछ जीर्ण तत्त्वों को पृथक भी किया जा सकता है।

हमारी राष्ट्रीय चेतना सांस्कृतिक रही है। भारत में राष्ट्र की परिकल्पना राज्यों की सीमा के साथ–साथ भावनात्मक एकता पर टिकी रही है, जिसका आधार भारत के परम्परागत कला, दर्शन, साहित्य, संस्कृति तथा परम्पराओं आदि में व्याप्त एक विशिष्ट प्रेरणा की निरन्तरता और सर्वव्यापकता में है। इसी संजीवनी से शताब्दियों तक भारत विदेशी आक्रमणकारियों से अनवरत संघर्ष करता रहा। 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ। आजादी के 72 वर्षों के दौरान विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका ने अपने–अपने स्तर से राष्ट्र–निर्माण में योगदान दिया।

30 मई, 2019 को भारत की 17वीं लोकसभा का गठन हुआ। इसके आरम्भिक 3 माह में अस्थाई धारा 370 तथा 35ए समाप्त करके विधायिका ने राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक योगदान दिया। आतंकवाद निरोधक नए नियम ''यू.ए.पी.ए. (विधि विरूद्ध क्रियाकलाप निवारण संशोधन विधेयक 2019)'' के माध्यम से आतंकवाद–उन्मूलन की दिशा में सार्थक पहल हुई है और तीन तलाक की कुप्रथा को समाप्त करने वाले कानून ''मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019'' के निर्माण द्वारा लैंगिक समानता लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। ऐसे राष्ट्र–निर्माण वाले विषय में भी गतिरोध पैदा करने वाले कतिपय लोग एवं संगठन राष्ट्र के सम्मुख एक चुनौती है। इसी प्रकार क्षेत्रवाद, भाषावाद, जातिवाद, सम्प्रदायवाद, भ्रष्टाचार जैसी अनेक चुनौतियाँ आज राष्ट्र के सामने खड़ी हैं। यह समाजवैज्ञानिक विमर्श का केन्द्रीय विषय है जिसपर प्रस्तुत राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जा रहा है।

उक्त सेमिनार में आप सादर आमंत्रित हैं। इसमें आप अपने सहभागिता एवं विचारों से योगदान देकर राष्ट्र–निर्माण को गति प्रदान करने का कष्ट करें।

विमर्श के प्रमुख बिन्दु :

''भारतीय राष्ट्रवाद : चुनौतियाँ एवं समाधान '' विषय के अन्तर्गत निम्नलिखित उपशीर्षक निर्धारित किये गये हैं :

(1) राष्ट्रवाद : अवधारणात्मक विवेचना

(2) भारत में आर्थिक विकास की सम्भावनाएं

(3) वैश्वीकरण और भारत

(4) राष्ट्रवाद में मास मीडिया की भूमिका

(5) संस्कृति, धर्म और राष्ट्रवाद

(6) लोकतंत्र और राष्ट्रवाद

(7) भारतीय कला, दर्शन, साहित्य और राष्ट्र–निर्माण

(8) भारतीय राष्ट्रवाद की चुनौती के रूप में भाषावाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद, अलगाववाद आदि

(9) भारतीय संविधान और राष्ट्र–निर्माण

(10) भारतीय राष्ट्रवाद और प्रबन्धन

उक्त विषयों में से किसी एक विषय के किसी एक बिन्दु पर आप अपना लेख/शोधपत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

पंजीकरण : परिसर स्थित समाजशास्त्र विभाग अथवा छात्र कल्याण संकाय में किसी भी कार्य दिवस पर प्रातः 10 बजे से सांय 4:30 बजे तक पूरित पंजीकरण फार्म तथा पंजीकरण–शुल्क नगद जमा किया जा सकता है। पंजीकरण फार्म एक पन्ने का संलग्न प्रेषित है। यह विश्वविद्यालय की वेबसाइट–mgkvp.ac.in पर भी उपलब्ध है।पंजीकरण–शुल्क का विवरण अधोलिखित है :

क्र0सं0	संवर्ग	शुल्क
1	स्नातकोत्तर स्तर तक के छात्र–छात्राएं	200/– मात्र
2	शोध छात्र–छात्राएं	300/– मात्र
3	अध्यापक	500/– मात्र

कार्यक्रम की रूपरेखा : दिनांक 10–11–2019 (दिन रविवार) को पूर्वाह्न 10:30बजे से 12:30 बजे तक परिसर स्थित गांधी अध्ययन पीठ के प्रेक्षागृह में उद्घाटन–सत्र सम्पन्न होगा। इसी दिन लंच के बाद 1:30 बजे से 4:30 बजे तक समाज विज्ञान भवन के विभिन्न कक्षों में कुल 10 तकनीकी सत्र समानान्तर रूप से आयोजित होंगे। इन्हीं में प्रतिभागी अपना विचार/लेख/शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे। दिनांक 11–11–2019 को प्रातः 11 बजे समाजशास्त्र विभाग में समापन–सत्र सम्पन्न होगा।

10–11–2019 (दिन रविवार) को प्रतिभागी अपना लेख/शोधपत्र अपने साथ लेकर आएं जिसे तकनीकी सत्र में प्रस्तुत करें। तदोपरान्त उसकी एक हार्ड कॉपी आयोजक के पास जमा करा दें। सेमिनार समाप्ति के बाद उक्त लेख/शोधपत्र का मूल्यांकन एक कमेटी द्वारा किया जाएगा। प्रकाशित होने योग्य पेपरों के संकलन को सम्पादित पुस्तक के रूप में प्रकाशित कराया जाएगा।

सेमिनार में प्रतिभागिता का प्रमाण–पत्र प्रतिभागियों को सेमिनार के समापन–सत्र में आयोजन स्थल से निर्गत किया जाएगा।

संरक्षक : माननीय प्रो0 टी0एन0 सिंह, कुलपति, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

कुलसचिव : डॉ0 साहब लाल मौर्य, कुलसचिव, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

आयोजन सचिव : प्रो0 ब्रजेश कुमार सिंह, अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, मो0 9415353944

आयोजन समिति : प्रो0 मल्लिका चतुर्वेदी, प्रो0 प्रदीप कुमार पाण्डेय, प्रो0 अशोक कुमार मिश्र, प्रो0 कृष्ण कुमार अग्रवाल, प्रो0 सुधीर कुमार शुक्ला, प्रो0 कृपा शंकर जायसवाल, प्रो0 राम प्रकाश द्विवेदी, प्रो0 शशि देवी सिंह, प्रो0 अजीत कुमार शुक्ला, प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद सिंह, प्रो0 रेखा, प्रो0 राजेश कुमार मिश्र, प्रो0 रंजन कुमार, प्रो0 अनुराग कुमार, प्रो0 राजेश पाल, प्रो0 अमिता सिंह, डॉ0 नलिनी श्याम कामिल, डॉ0 रश्मि सिंह, डॉ0 संगीता घोष, डॉ0 नन्दिनी सिंह, डॉ0 भारती रस्तोगी, डॉ0 चन्द्र शेखर सिंह, डॉ0 कृष्ण कुमार सिंह, डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा, डॉ0 राहुल गुप्ता, डॉ0 जय प्रकाश यादव, डॉ0 अनुकूल चन्द राय, डॉ0 राकेश कुमार तिवारी, डॉ0 उर्जस्विता सिंह, डॉ0 पारिजात सौरभ, डॉ0 गंगाधर, डॉ0 सतीश कुमार, डॉ0 सुनील कुमार मिश्र।

पत्राचार अथवा सूचना हेतु सम्पर्क सूत्र :

सेमिनार संयोजक : प्रो0 रवि प्रकाश पाण्डेय, प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, एवं संकायाध्यक्ष– छात्र कल्याण संकाय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उ0 प्र0

मोबाइल नं0 : 9415304344, वाट्सएप नं0 : 8957712505

ईमेल – ravisociology@rediffmail.com

A NATIONAL SEMINAR
ON
INDIAN NATIONALISM : CHALLENGES & SOLUTION

ORGANIZED BY:
DEPARTMENT OF SOCIOLOGY & FACULTY OF STUDENT WELFARE,
MAHATMA GANDHI KASHI VIDYAPITH, VARANASI.
10-11 NOVEMBER, 2019

REGISTRATION FORM

1. **Name** (Capital Letters): _____

2. **Sex :** Male /Female

3. **Designation:** U.G. Student/P.G. Student/Research Scholar/Core Faculty/Guest Lecturer/ Assistant Professor/Associate Professor/Professor

4. **Subject/Department of** _____

   Name of the College/University_____

   _____

   District : _____

5. **Title of the paper:** _____

   _____

6. **Mobile No.**:_____ **Whatsapp No.** _____

7. **E-mail:** _____

8. **Registration fee**: I am a student of UG/ PG/ Research Scholar/ Teacher. I am depositing ₹ **Two Hundred/ Three Hundred/ Five Hundred Only (200/300/500 only)** in cash along with this registration form. Please register me as a Delegate of the aforesaid National Seminar.

Date: ……., 2019 **Signature of the delegate**